राखी का त्यौहार कलाई पर रेशम का धागा बांधने भर का नाम नहीं है . बल्कि यह एक संकल्प सूत्र है जिसमें भाई अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं . लेकिन इस सबके बीच जो अनकहा वचन बहनें निभातीं है वो मिसाल बन जाता है . कई ऐसे उदाहरण समाज में सामने आते हैं जहां बहनों ने अपने छोटे भाई और बहनों के जीवन को संवारने के लिए मां-बाप बनकर उनका लालन-पालन किया और उनका जीवन बनाने के लिए अपना जीवन, अपनी खुशियों को होम दिया . ऐसे कई मामले हैं और उनमें से तीन उदाहरण हमारे जिले में भी सामने आए .रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है . भारतीय संस्कृति में ऐसी बहनें भी हैं जिन्होंने भाई की रक्षा ही नहीं की उनको नया जीवन दिया, उनके जीवन को संवारा और आज इस लायक बना दिया कि वे समाज के सामने तनकर खड़े हैं और सुख-सम्मान प्राप्त कर रहे हैं .

ब्यावरा 08 अगस्त,का. प्रायः बहनों के द्वारा कलाई में बांधे गए रक्षा सूत्र भाई के जीवन की सुरक्षा, खुशियों और सम्मान का आधार बनता है. बहनों की रक्षा करने का संकल्प लेने वाले भाईयों की भी रक्षा, सुरक्षा, सम्मान और खुशी देने में बहनों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है. कई बहनों ने भाई के जीवन की रक्षा करने का साहसी कार्य कर समाज में एक मिसाल पेश की है. ऐसी बहनों के उदाहरण कम ही देखने को मिलते है. राजगढ़ जिले की चुनिंदा

रक्षाबंधन पर
गोविंद बड़ोने

बहनों ने अपने कृतित्व से जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अद्वितीय और अकल्पनीय नजर आता है. इन जैसी बहनों को पाकर हर भाई अपने आप को धन्य महसूस कर यह कहने को मजबूर हो जाता है कि उनके लिये मां-बाप से भी बढ़कर भगवान के रूप में कोई है तो वह उनकी प्यारी बहना है. रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है. भारतीय संस्कृति में ऐसी बहनें भी है जिन्होंने भाई की रक्षा ही नहीं की उनको नया जीवन दिया, उनके जीवन को संवारा और आज इस लायक बना दिया कि वे समाज के सामने तनकर खड़े है और सुख, सम्मान प्राप्त कर रहे है. राजगढ़ जिले में ऐसी कई बहनें है जिन्होंने अपने बहन-भाई के लिये खुद के जीवन को होम दिया है. इन्होंने भाई की खुशी के लिये खुद की खुशियों से समझोता कर लिया. सिर्फ खुशियों से ही नहीं बल्कि एक प्रकार से जीवन को सिर्फ संघर्ष के लिये चुना, सुख, सुविधा, वैभव सब अपने भाई को समर्पित कर दिया. ऐसी कुछ बहनों के उदाहरण भाइयों को उनके कर्त्तव्यों के लिये प्रेरित करने का मार्गदर्शन देते है.

भाइयों का जीवन संवारने मिसाल बनीं बहनें

अपने सुखों की परवाह किए बिना सुरक्षा, सम्मान और खुशियां देने में भाइयों से भी आगे रही हैं कई बहनें

गौरव चौरसिया

राजगढ़ 08 अगस्त . जिला मुख्यालय के दो उदाहरण बहनों के त्याग, समर्पण और भाई के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा को प्रमाणित करते हैं . एक बहन ने अपनी किडनी देकर भाई के प्राण और जीवन की रक्षा की तो दूसरी ओर दो बहनों ने माता-पिता के बचपन में बिछुड़ने का असर अपने भाई-बहनों के जीवन पर किसी प्रकार से नकरात्मक न पड़े इसलिये उन्होंने भरपूर संघर्ष किया . दोनो बहनों ने विवाह न करने का संकल्प लिया . अपने छोटे भाई-बहन को अच्छी शिक्षा, संस्कार, खुशियां देते हुए जीवन को स्थायी तौर पर प्रसन्न रहने का माध्यम बन गई .

दो बहनों का त्याग : प्रेम,छोटे भाई-बहन की खुशियों के लिए जीवन किया समर्पित

दो बहनें जिन्होंने मां, बाप बनकर 5 बहन .भाई का लालन किया जिला मुख्यालय पर जोशी परिवार की दो बेटियों ने मां और पिता बनकर अपने बाकी 5 बहिनों और भाई की परवरिश कीए उनका घर बसाया और उन्हें रोजगार के लायक बनाया . ये दोनों बहिनें कु . प्रभा जोशी और कु .मंजू जोशी है . दोनों ही शासकीय सेवा से रिटायर्ड हो चुकी है . वर्ष 1990 में इनके पिता कृष्णवल्लभ जोशी का देहांत हो गया था . इसके ठीक एक साल बाद यानी 1991 में इनकी माताजी श्रीमती कांताबाई जोशी का निधन हो गया . प्रभा और मंजू जोशी के साथ उनके साथ उनकी 4 छोटी बहनें इंदु आचार्य, वरुणा गौतम, शुभा द्विवेदी, तृप्ती व्यास और और एक छोटा भाई वेणु किशोर जोशी भी परिवार में थे . लगातार दो वर्षों तक परिवार पर हुए इस वज्रपात के बाद दोनों बहिनों प्रभा और मंजू जोशी ने अपने बाकी 4 बहिनों और एक भाई को अनाथ महसूस नहीं होने दिया . दोनों ने मां और बाप बनकर इनका लालन .पालन किया और उन्हें एक खुशहाल जीवन जीने का अवसर भी दियाण् कु प्रभा जोशी आईटीआई खिलचीपुर से वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हो चुकी है जबकि कु मंजू जोशी पुरा स्थित शासकीय मिडिल स्कूल से वर्ष 2020 में सेवानिवृत्ति ले चुकी है . दोनों बहनो ने परिश्रम, त्याग और संघर्ष के बीच अपने शेष बहिनों और भाई का लालन .पालन किया और उन्हें आदर्श जीवन यापन के लायक बनाया . सबकी शादी की . स्वयं भी मेहनत कर सरकारी नौकरी पाई और उसी के परिणामस्वरूप बाकी सभी का भविष्य उज्जवल किया . ये दोनों बहनें आज के रील वाले प्रगतिशील समाज के लिए बड़ा उदाहरण है .

जब बात भाई के जीवन पर आई, बहन ने अपनी किडनी उपहार कर दी

भाई की रक्षा के लिए अपनी किडनी उपहार में दी . राजगढ़ की एक बहन जो वर्तमान में शादी होकर उज्जैन में रहती है , उन्होंने अपने भाई की दोनों किडनी खराब होने पर अपनी एक किडनी उपहार स्वरूप दे दी . एक बलिदान को करने वाली बहन का नाम श्रीमती शकुंतला शर्मा है . नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश शर्मा की दोनों किडनियां मधुमेह की बीमारी के कारण खराब हो चली थी . काफी ईलाज के बाद जब हालत बिगड़ने लगी तो बहन श्रीमती शकुंतला शर्मा सामने आई और अपनी एक किडनी अपने भाई को रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप भेंट कर दी . यह बात मई 2024 की है . इस फैसले को उनके पति श्री राजेन्द्र शर्मा ने स्वागत किया और इंदौर में किडनी ट्रांसप्लांट किया गया . दोनों भाई बहिन स्वस्थ्य है .

22 वर्ष पहले हमारे परिवार की बेटी ने किया था ऐसा ही त्याग

श्रीमती शकुंतला शर्मा और गिरीश शर्मा , विजय शर्मा के छोटे भाई और पत्रकार उत्तम शर्मा ने बताया कि हमारे परिवार में ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब परि 2024 वार की बेटी ने अपना अंग दान कर अपने परिजन की जान बचाई हो करीब 22 वर्ष पूर्व हमारी बुआ जी स्व . गीता देवी आगर ने भी अपनी किडनी अपनी बहू को देकर उनकी जान बचाई थी . और उसके बाद अब बहन श्रीमती शकुन्तला शर्मा ने अपने भाई को किडनी देकर जान बचाई है . ऐसे में इस परिवार की बेटियों के डीएनए में ही इस प्रकार के त्याग और बलिदान की भावना व्याप्त है . ऐसे मामले समाज को गर्वित कर देते है .

भाई-बहन की खुशियों के लिए दी अपने सुखों की तिलांजलि, पिता की तरह पालन किया

वीरेन्द्र सिरोलिया

पड़ाना 08 अगस्त, सं . पड़ाना की एक बहन ने 15 साल की उम्र में अपनी खुशियां छोड़कर भाई बहनों को इंजीनियर बनाया . पिता की मौत के बाद उनकी छोटी सी पान की दुकान भी बंद हो गई . ऐसे में हालात में सुनीता सक्सेना ने 15 साल की उम्र में घर की जिम्मेदारी ली . सुनीता सक्सेना ने हालातों को चुनौती देते हुए कड़ा संघर्ष किया और अपनी खुशियों को बलिदान कर अपने शेष बहन भाई को पढ़ाया और इतना ही नहीं उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाकर रोजगार और शादी का प्रबंध भी किया . मामला पड़ाना का है . यहां सुनीता सक्सेना ने 2000 में पिता की मौत के बाद काफी संघर्ष किया . 2003 में नौकरी की और अपने भाई विशाल को फार्मासिस्ट बनाया, बहन मनीषा, श्यामा, नितिशा और विनिशा को पढ़ाया, नौकरी से लगाया और शादी करवाई . उनका भाई महज 2 साल का था जब पिता की मौत हुई . अपने अबोध भाई को इस कठिन काल का बोध भी नहीं होने दिया . सभी बहिन भाई को पिता की कमीं महसूस नहीं होने दी . छोटे से कस्बे में बहिन सुनीता सक्सेना का यह संघर्ष और बलिदान आज रक्षाबंधन पर हम सभी को गर्व करने का अवसर देता है . पिता का साया सिर से उठने के बाद पिता बनकर अपने भाई और बहिनों की परवरिश करना, अपने सुखों हो होम देने का साहस कोई बहन ही कर सकती है .

एक नजर में

अपने बंदी भाइयों को बांध सकेंगी राखी

राजगढ़ 08 अगस्त, का . मध्य प्रदेश की समस्त जेलों में रक्षाबंधन के पर्व पर जेल में बंद बंदियों को उनकी बहनों को प्रत्यक्ष राखी बांधने की अनुमति है . जिन बहनों के भाई मध्य प्रदेश की जेलों में बंद है वह आज 09 अगस्त शनिवार को जेल पर आकर प्रत्यक्ष रूप से अपने भाइयों को राखी बांध सकती हैं

बीपीएस की छात्राओं ने थाना प्रमुख को बांधी राखी

ब्यावरा 08 अगस्त, का . नगर की शैक्षणिक संस्था ब्यावरा पब्लिक स्कूल की कक्षा 9 से 12 वीं की छात्राओं ने पुलिस थाना ब्यावरा पहुंच कर थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों को राखी बांधी तथा साथ ही थाना प्रभारी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी . थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड़ एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को पुलिस थाना के विभिन्न भागों एवं वहां होने वाले कार्यों की जानकारी दी . साथ ही छात्राओं को सुरक्षा एवं जागरूकता संबन्धी सीख भी दी .छात्राओं से राखी बंधवाने के पश्चात् पुलिस कर्मियों द्वारा छात्राओं को उपहार भी प्रदान किए . इस मौके पर सब इंस्पेक्टर जगदीश गोयल, सुभाष द्विवेदी, राकेश दामले, सहायक सब इंस्पेक्टर दिलीप राय, हेमराज यादव, रूपराम आरक्षक राहुल, बनवारी मीना उपस्थित रहे . संस्था की छात्रा निकिता जाटव, साक्षी दांगी, सोना दांगी, स्नेहा साहू एवं स्टाफ से प्रियंका पुष्पद, श्रीमती अनुसुइया दांगी, श्रीमती पिंकी प्रजापति एवं भावना साहू उपस्थित रही .

उत्साह : हमें रक्षाबंधन मनाने से कोई नहीं रोक सकता

ट्रेन, बसों में पैर रखने की जगह नहीं, लेकिन उत्साह भी कम नहीं

ब्यावरा 08 अगस्त, का. रक्षाबंधन को लेकर बसों, यात्री वाहनों, ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ रही. हालात यह रहे कि पैर रखने तक की जगह नहीं मिली. कई किमी का सफर लोगों ने खड़े रहकर तय किया. पर्व को लेकर शुक्रवार को बाजार में भारी भीड़ रही. मुख्य मार्गो पर दिन भर जाम की स्थिति निर्मित रही. उल्लेखनीय कि आज रक्षाबंधन पर्व को लेकर बसों, यात्री वाहन, ट्रेनों में शुक्रवार को एकाएक भीड़ बढ़ गई. देखते ही देखते बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों का जमावड़ा होने लगा. भोपाल, गुना, इंदौर, सुठालिया, राजगढ़ सहित हर रुट पर जाने वाली बसों, यात्री वाहनों में जबर्दस्त भीड़ रही. कुछ यही हाल ट्रेनों में रहा. इंदौर, उज्जैन, गुना तरफ से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ रही. ट्रेनों में भी यात्रियों को खड़े होने तक की जगह नहीं मिली. इन हालातों में जिसको खड़े होने तक की जगह मिल गई वह अपने आप को काफी राहत महसूस कर रहा था.

राजगढ़ . अपने भैया के लिए रंगबिरंगी राखियां पंसद करती हुईं बहनें

आज अभिजीत मुहूर्त, क्योंकि ये बहनों का त्यौहार है

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 08 अगस्त, का. बहन और भाई के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन आज नगर सहित जिले भर में मनाया जाएगा. शुभ मुहूर्त में बहने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र के रुप में राखी, रेश्म का धागा बांधेगी. भाई अपनी बहनों को सुरक्षा का वचन देते हुए आशीर्वाद लेंगे.

विदित है कि भाई और बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन का विशेष महत्व माना गया है. सभी पर्व में इस पर्व का अपना अलग ही महत्व है. आज 9 अगस्त को रक्षाबंधन है. शुभ मुहूर्त में बहने भाईयों को राखी बांधेगी.

परंपरागत राखियों की मांग-रक्षाबंधन पर बाजार में राखियों की खरीददारी की गई. शुक्रवार को बाजार में काफी भीड़ रही. ब्यावरा में पुराना अस्पताल परिसर में राखी बाजार लगा है, मेन मार्केट सहित अन्य जगहों पर भी राखी की दुकाने लगी है. काफी आकर्षक राखियां यहां है. राजगढ़ में भी राखी की अनेक दुकाने लगी है. इस बार पारंपरिक राखी, रेश्म के धागे वाली राखी की अधिक मांग देखी गई.

राखी बांधने का मुहूर्त

राजगढ़ बायपास चौराहा स्थित वृंदावन नगर निवासी पंडित दुर्गाशंकर शास्त्री के अनुसार आज राखी बांधने का शुभ मुहूर्त इस प्रकार रहेगा . शुभ मुहूर्त प्रातः 7 .38 से 9 .16 बजे तक, अभिजित समय में मुहूर्त दोपहर 12 .06 से 12 .58 तक, चल समय में दोपहर 12 .32 से 2 .10 बजे तक, लाभ समय में दोपहर 2 .10 से 3 .48 बजे तक तथा अमृत समय में दोपहर 3 .48 से शाम 5 .26 बजे तक मुहूर्त रहेगा .

पुलिस ने दिया स्कूली बहनों को रक्षा का वचन

पुलिस ने कहा, हम निभाएंगे इस धागे को दिया वचन

नवभारत न्यूज

तलेन 08 अगस्त. एस. बी. एस. स्कूल तलेंन ने थाने में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया., इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओ ने राज्य के विभिन्न स्थानों से आए हुए पुलिस कर्मियों को रांखी बांधकर उनकी सुरक्षा और कल्याण की कामना की. इस आयोजन में थाना प्रभारी मेहताब सिंह ठाकुर द्वारा सभी छात्राओ और पुलिस भाईयो को हार्दिक बधाई दी. स्कूल की छात्राओ ने इस आयोजन में बड़चढ़ कर हिस्सा लिया पुलिस कर्मियों ने भी इस पहल का स्वागत किया और छात्र बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया. इस आयोजन में पुलिस और छात्र बहनों के बीच सोहार्थपूर्ण संबंधों को मजबूत करने का एक सराहनीय प्रयास रहा. विद्यालय के संचालक, नंदकिशोर यादव और विद्यालय के प्रधानाचार्य एच.एस. परमार आयोजन में उपस्थित रहे,

कैसे पहुंचे राखी दूर रहने वाले भाइयों को राखी नहीं भेज पा रहीं बहनें, नया सॉफ्टवेयर अपडेट होने के बाद निर्मित हुई समस्या

क्योंकि सर्वर डाउन, स्पीड पोस्ट से राखी भेजने में अड़चन

नवभारत न्यूज

ब्यावरा/राजगढ़ 07 अगस्त. इन दिनों पोस्ट ऑफिस में ऑन लाइन होने वाले स्पीड पोस्ट, पॉर्सल, रजिस्ट्री आदि अर्जेंट कार्य में सर्वर डाउन होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. विशेषकर रक्षाबंधन पर स्पीड पोस्ट द्वारा अपने दूर रहने वाले भाईयों को राखी भेजने में बहनों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

विदित है कि बीते तीन दिनों से ब्यावरा, राजगढ़ सहित जिले के अन्य पोस्ट ऑफिसों में सर्वर डाउन होने की स्थिति बनी हुई है जिसके कारण स्पीड पोस्ट,

पॉर्सल, रजिस्ट्री आदि कार्य प्रभावित हो रहा है. रक्षाबंधन को लेकर बहनों द्वारा दूर दराज रहने वाले अपनी भाईयों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से राखी भेजने में सर्वर एक बड़ी बाधा बन गया है. विदित है कि कई परिवारों में भाईयों के दूर दराज रहने से बहनों द्वारा राखी के दो-तीन दिन पूर्व पोस्ट ऑफिस द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से राखी भेजी जाती है किंतु इस बार एकाएक सर्वर डाउन होने की समस्या ने चिंतित कर दिया है, उनके समक्ष एक बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है. आनन-फानन में उनके द्वारा कोरियर या अन्य माध्यम से राखी पहुंचाने की तैयारी की जा रही है.

सर्वर डाउन होने से लौट रहे वापस- हालांकि पोस्ट ऑफिस प्रबंधन द्वारा स्पीड पोस्ट के लिए पहुंचने वालों को यह विश्वास दिलाया जा रहा है कि वह जैसे ही सर्वर चालू होगा स्पीड पोस्ट कर देंगे किंतु कब तक सर्वर चालू होगा इस संशय को लेकर कई लोग अपनी सामग्री लेकर वापस लौट रहे है. उनके द्वारा कोरियर आदि के माध्यम से राखी व अन्य सामग्री भेजी जा रही है.

अतिरिक्त समय कर रहे कार्य- जहां नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं पोस्ट ऑफिस प्रबंधन द्वारा भी इस समस्या को देखते हुए सुबह एवं रात्रि में अतिरिक्त समय कार्य किया जा रहा है. जैसे ही सर्वर आता है स्पीड पोस्ट, पॉर्सल आदि की बुकिंग की जा रही है. यही नहीं प्रबंधन द्वारा नागरिकों को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि जैसे ही सर्वर आयेगा वैसे ही स्पीड पोस्ट, पॉर्सल की बुकिंग कर दी जाएगी.

हाल ही में नय सॉफ्टवेयर अपडेट होने से सर्वर संबंधी दिक्कत आ रही है. कर्मचारी अतिरिक्त समय में बैठकर कार्य कर रहे है. जल्द ही सर्वर संबंधी समस्या दूर होगी.

पंकज शर्मा
पोस्ट मास्टर, पोस्ट ऑफिस राजगढ़

4 अगस्त को अपडेट हुआ सॉफ्टवेयर

पोस्ट ऑफिस प्रबंधन के अनुसार हाल ही में पोस्ट ऑफिस में स्पीड पोस्ट, पॉर्सल, रजिस्ट्री आदि के लिए 21 जुलाई को नया सॉफ्टेवयर लाया गया है . 4 अगस्त को यह सॉफ्टवेयर अपडेट हुआ है . इसके चलते सर्वर संबंधी समस्या आ रही है . जल्द ही सर्वर की समस्या दूर होकर पूर्व की तरह तेजी के साथ कामकाज होने का भरोसा पोस्ट ऑफिस द्वारा दिया जा रहा है .

न्यायालय तहसीलदार बनखेडी, जिला-नर्मदापुरम म .प्र .

-कमांक / 371/रीडर / वर्ष 2025-26
बनखेड़ी/दिनांक 17/07/2025
// ईश्तहार //

सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा बनखेडी अतंर्गत ग्राम हल्का अधियारवावडी में स्थित भूमि खसरा 41 रकवा 1.2000 हेक्टयर भूमि (शासकीय) चरागाह मद में राजस्व अभिलेख में दर्ज है, उक्त भूमि पर आदिवासी सामूदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन के लिए आवेदक द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है, उक्त भूमि आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो 10/08/2025 को स्वंय उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के द्वारा आपत्ति व्यक्त कर सकते है उक्त अवधि उपरान्त आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक– 31/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार, बनखेड़ी जिला नर्मदापुरम